नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

यह महाविनाशकारी युद्ध तत्काल समाप्त हो

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के 100 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन यह संघर्ष अब केवल अमेरिका, इजराइल और ईरान तक सीमित नहीं रह गया है. इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आम लोगों के जीवन पर साफ दिखाई दे रहा है. विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार इस युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को लगभग 474 लाख करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है. यह आंकड़ा बताता है कि किसी क्षेत्रीय संघर्ष की कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ती है.

युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ा है, जहां से दुनिया के तेल और गैस व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है. इस मार्ग में आई बाधाओं ने ऊर्जा बाजारों को अस्थिर कर दिया है. पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का असर 146 देशों तक पहुंचा है. इसका परिणाम महंगाई, उत्पादन लागत में वृद्धि और आर्थिक विकास की रफ्तार में कमी के रूप में सामने आ रहा है. विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी कठिन है, क्योंकि वे पहले से ही आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं.

युद्ध केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है. हजारों लोगों की मौत, लाखों घायलों और लाखों विस्थापित नागरिकों की त्रासदी इस संघर्ष की सबसे दर्दनाक तस्वीर है. युद्ध के मैदान से दूर रहने वाले देशों के नागरिक भी बढ़ती महंगाई, महंगे हवाई किराए, अस्थिर बाजार और कमजोर होती अर्थव्यवस्था के रूप में इसकी कीमत चुका रहे हैं.

इस संकट का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि सभी पक्ष अपनी-अपनी जिद पर अड़े हुए दिखाई देते हैं. अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कठोर शर्तें थोपना चाहता है, जबकि ईरान अपने रणनीतिक हितों से पीछे हटने को तैयार नहीं है. इजराइल अपनी सुरक्षा चिंताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए सैन्य दबाव बनाए रखना चाहता है. इस टकराव में संवाद की संभावनाएं बार-बार कमजोर पड़ रही हैं.

आज आवश्यकता इस बात की है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान तीनों अपनी जिद छोड़ें और स्थायी शांति की दिशा में गंभीर पहल करें. सैन्य शक्ति किसी भी पक्ष को अस्थायी बढ़त दे सकती है, लेकिन स्थायी समाधान केवल बातचीत और कूटनीति से ही निकल सकता है. यदि होर्मुज मार्ग पर तनाव बना रहता है, ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है और क्षेत्रीय संघर्ष का दायरा बढ़ता है, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा.

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी अंतिम समाधान नहीं बनता. अंततः सभी पक्षों को वार्ता की मेज पर लौटना ही पड़ता है. सवाल यह है कि क्या यह वापसी हजारों और जानें जाने तथा खरबों रुपए की अतिरिक्त आर्थिक क्षति के बाद होगी, या फिर समय रहते समझदारी दिखाई जाएगी.

दुनिया पहले ही इबोला महामारी, आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है. ऐसे समय में पश्चिम एशिया का यह युद्ध वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए गंभीर खतरा बन गया है. इसलिए अब यह केवल क्षेत्रीय राजनीति का विषय नहीं रहा, बल्कि पूरी मानवता के हित का प्रश्न है. अमेरिका, इजराइल और ईरान को अपनी जिद छोड़कर शांति का रास्ता अपनाना चाहिए, क्योंकि युद्ध में किसी एक की हार या जीत नहीं होती, हार अंततः पूरी दुनिया की होती है.

पीएमएसएमए का एक दशक
भारत में सुरक्षित मातृत्व की यात्रा तेज

जगत प्रकाश नड्डा

हर सुरक्षित गर्भ राष्ट्र की अपनी महिलाओं के लिए प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है. हमारे देश के हर साल लगभग 2.9 करोड़ गर्भधारण होते हैं. इस बड़े पैमाने पर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए मजबूत स्वास्थ्य तंत्रों, निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता, समय पर हस्तक्षेप और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक न्यायसंगत पहुंच की जरूरत है.

पिछले दशक में देश में मातृत्व से संबंधित मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है. यह सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है. इस प्रगति का आधार मातृत्व स्वास्थ्य में निरंतर निवेश, सेवा डिलीवरी प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक भागीदारी है. हमने यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता रखी है कि हर महिला को उसकी समूची गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिल सके.

इस कायाकल्प के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है. यह अभियान पिछले 10 वर्षों से देश भर में सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दे रहा है. पीएमएसएमए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की कल्पना है जिसे 9 जून 2016 को शुरू किया गया था. यह सभी गर्भवती महिलाओं को गर्भ की दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान हर महीने के नौवें दिन मुफ्त सुनिश्चित, समग्र और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल सेवाएं मुहैया कराने का राष्ट्रव्यापी अभियान है.

> हमें गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम वाली गर्भधारण की ट्रैकिंग, मिडवाइफरी-आधारित सेवाओं, डिजिटल नवाचारों और मातृ स्वास्थ्य देखभाल तक न्यायसंगत व समान पहुंच को लगातार मजबूत करना होगा. पीएमएसएमए के अनुभव ने एक सरल सत्य को फिर से साबित किया है : जब हर गर्भावस्था की निगरानी की जाती है, हर जोखिम का समय रहते पता लगा लिया जाता है और हर महिला को समय पर, सम्मानजनक व गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिलती है, तो जन्म देते समय माताओं की मौत को रोका जा सकता है, न कि उसे अपरिहार्य माना जाए. इसलिए, पीएमएसएमए के दस वर्ष पूरा होना महज किसी कार्यक्रम का जश्न मनाना नहीं है. यह इस बात का प्रमाण है कि जब राजनीतिक प्रतिबद्धता, सशक्त कार्यकर्ता, डिजिटल नवाचार, जन भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मकसद - 'हर माँ सुरक्षित को रखने और हर नवजात शिशु को स्वस्थ रखने' के लिए साथ मिलकर काम करती हैं, तो क्या कुछ हासिल नहीं किया जा सकता है.

यहां हर माह के नौवें दिन के चयन का एक गहरा महत्व है. गर्भावस्था नौ बेशकीमती महीनों की यात्रा है. इनमें से हर माह नई उम्मीद, अनुमान और जिम्मेदारी लेकर आता है. हर महीने का नौवां दिन मातृ स्वास्थ्य को समर्पित कर पीएमएसएमए यह याद दिलाता है कि प्रत्येक गर्भावस्था स्वस्थ शिशु के सुरक्षित आगमन तक सभी नौ महीनों में निरंतर देखभाल, निगरानी और सहायता की हकदार है. मातृ स्वास्थ्य का सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि कोई भी गर्भावस्था जोखिम से पूरी तरह मुक्त नहीं होती. आज सामान्य दिखाई देने वाली गर्भावस्था में कल गंभीर जटिलताएं विकसित हो सकती हैं. पीएमएसएमए में यह स्वीकार किया गया है कि कोई भी गर्भावस्था बिना किसी चेतावनी के उच्च जोखिम वाली बन जा सकती है. लिहाजा, इस अभियान में जोखिमों की जल्दी पहचान कर उनकी नजदीकी निगरानी तथा समय पर निर्देशन और प्रबंधन सुनिश्चित करने का सरल लेकिन परिवर्तनकारी दृष्टिकोण अपनाया गया है. उच्च जोखिम वाली हर चिह्नित गर्भावस्था माता की जान बचाने तथा समयपूर्व प्रसव, शिशु में जटिलताओं या जीवन पर्यंत विकलांगता को रोकने का एक अवसर है. इस अभियान में जटिलताओं के उपचार के बजाय उनकी रोकथाम पर ध्यान केंद्रित किया गया है. इस तरह इसने भारत के मातृ स्वास्थ्य देखभाल तंत्र को मजबूत कर करोड़ों महिलाओं के लिए गर्भावस्था को सुरक्षित बनाया है.

पीएमएसएमए की प्रमुख विशेषताओं में से एक निर्धारित दिन को संस्थागत रूप देकर विशेषज्ञ के नेतृत्व में प्रसवपूर्व सेवा सुनिश्चित करना है. इससे देश भर में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में अनुमानेयता, जवाबदेही और निरंतरता आई है. इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की लगभग 25 उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था स्थितियों के लिए जांच की जाती है. इनमें खून की गंभीर कमी, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, संक्रमण और अन्य ऐसी जटिलताओं की जांच शामिल है जिनके पता नहीं चलने पर माता और शिशु का जीवन जोखिम में पड़ सकता है.

चूंकि इस बात के साक्ष्य सामने आए कि गर्भधारण के ज्यादा जोखिम वाले मामलों में पीएमएसएमए के तहत किसी विशेषज्ञ/चिकित्सक द्वारा नियमित प्रसव पूर्व जांच के बाद भी निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है, इसलिए भारत सरकार ने 2022 में 'विस्तारित पीएमएसएमए' (इ-पीएमएसएमए) की शुरुआत करके इस कार्यक्रम को और अधिक बेहतर बनाया है.

ई-पीएमएसएमए के तहत, ज़्यादा जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को नियमित पीएमएसएमए जाँच के अलावा अतिरिक्त चिकित्सीय सलाह (फ़ॉलो-अप विज़िट) की सुविधा भी मिलती हैं, ताकि सुरक्षित डिलीवरी तक समय पर देखभाल सुनिश्चित की जा सके.

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं)

मालवा- निमाड़ की डायरी

जीतू पटवारी की अग्नि परीक्षा

संजय व्यास

भाजपा की तीसरी सीट पर भी उम्मीदवारी से मंदसौर की पूर्व सांसद व कांग्रेस से राज्य सभा प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन को जिताना कांग्रेस की प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है. खेला होने की आशंका के बीच वह अपने विधायकों की कड़ी निगरानी में लग गई है. वैसे मीनाक्षी की जीत के लिए कांग्रेस के पास पर्याप्त वोटों का संख्या बल है, पर नटराजन की उम्मीदवारी के बाद जिस तरह असंतोष के सुर फूटे हैं, उसने धुकधुकी बढ़ा दी है और क्रास वोटिंग की आशंका सता रही है. कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा है. लोक सभा चुनाव 2024 शून्य पर पहुंची पार्टी के

बाद राहुल गांधी ने पटवारी के प्रति गहरी नाराजगी जताई थी. उसके पश्चात गत वर्ष राहुल गांधी के अंबेडकर समारोह में शिरकत के दौरान जीतू ने इसके लिए खेद प्रकट करने के साथ प्रदेश में पार्टी की मजबूती का राहुल गांधी को भरोसा दिलाया था. इस चुनाव में प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन राहुल की विशेष पसंद होने के कारण परिणाम राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से भी प्रभावित करेंगे. सो इससे जीतू पटवारी का भविष्य भी तय होगा. हाल की स्थिति में भाजपा को अपने दो उम्मीदवारों को जिताने के लिए 116 प्रथम वरीयता के वोट की जरूरत पड़ेगी. इसके बाद भी भाजपा के पास 48 वोट बचेंगे. यानी तीसरी सीट जीतने के लिए उसे अतिरिक्त 10 वोट की जरूरत होगी. बीना से कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे का मामला डांवांडोल नजर आ रहा है. वहीं, निर्दलीय (बाप पार्टी) कमलेश्वर डोडियार का वोट अगर भाजपा उम्मीदवार को मिलता है और कांग्रेस के नौ विधायक क्रॉस वोटिंग करते हैं तो मामला पलट जाएगा. वहीं, कांग्रेस के छह विधायकों के भी क्रॉस वोटिंग करने के बाद तीसरी सीट पर फैसला दूसरी वरीयता के वोटों से होगा. इस स्थिति में भी भाजपा के फायदे में रह सकती है. ऐसे में कांग्रेस अपने विधायकों की अखंड एकजुटता के लिए उन्हें अभेद चक्रव्यूह में रखने की रणनीति पर चल रही है.

अतिक्रमणकारियों के प्रश्रयदाताओं पर चुनावी प्रतिबंध लगे!

कभी सागौन यानी टिक -वुड के लिए मशहूर रहा निमाड़ अब मरुस्थल जैसी गर्मी दे रहा है. बड़वानी और खरगोन जिले के आदिवासी अतिक्रमणकारी बुरहानपुर और खंडवा की सीमा रेखा पर वर्षों से पेड़ काट रहे हैं. पेड़ काटकर उपजाऊ जमीन के खेत तैयार कर रहे हैं. क्षेत्र के नेता वोट के लिए इन्हें प्रश्रय दे रहे हैं. सरकार में रहकर सरकार की पॉलिसी खराब कर रहे हैं. यहां लोकल रोहिंग्या की तरह इन्हें बसाकर आधार कार्ड, राशन कार्ड और सरकारी सुविधाएं दी जा रही हैं. अब पानी सर से ऊपर हो गया है. वन विभाग के बंदूकधारी अफसरों को भी वे पत्थरों से खदेड़ देते हैं. उन्हें पता है कि वन विभाग के वर्दी वाले गोली नहीं चला सकते, लेकिन अतिक्रमणकारी पत्थर मार सकते हैं. कुछ लोगों को हाल ही में खंडवा के गुड़ी के पास आमा खजूरी गांव में पकडने वन विभाग की टीम और पुलिस गई, इन्हें बैठाकर लाने लगी. जंगल कटाई के मामले में उनकी पेशी होनी थी, लेकिन आदिवासियों ने वन विभाग के अधिकारियों को खदेड़ दिया. उनके वाहन से अपने रिश्तेदारों को छुड़ाकर ले गए. बाद में फिर वन विभाग की टीम ने कुछ लोगों को पकड़ा. सवाल यह उठता है कि इन अतिक्रमणकारी आदिवासियों में इतनी हिम्मत कहां से आई? नेताओं और जनप्रतिनिधियों के प्रश्रय की जांच होनी चाहिए. क्या उनके चुनाव लडने पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता?

तो एक क्षेत्र तीन सांसद

यदि सब कुछ सही रहा और मीनाक्षी नटराजन राज्य सभा चुनाव जीतती हैं तो मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लिए एक ऐसासंयोग बनेगा, जिसका तीन सांसद प्रतिनिधित्व कर रहे होंगे. वर्तमान में लोक सभा सांसद सुधीर गुप्ता हैं. वहीं राज्य सभा में सांसद बंशीलाल गुर्जर भी यहीं से हैं. मीनाक्षी नटराजन की जीत के बाद मंदसौर जिले से संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर कुल तीन चेहरे दिल्ली में दिखेंगे और मंदसौर ऐसा शहर बन जाएगा, जहां से एक साथ तीन-तीन सांसद देश की संसद में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे होंगे.

कांग्रेस से नाराज विपक्षी पार्टियां

विपक्षी पार्टियों के गठबंधन 'इंडिया' की 8 जून को हो रही बैठक में शामिल होने से माकपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इनकार किया है. इसके पहले डीएमके भी ऐसा ही ऐलान कर चुकी है. झामुमो की नाराजगी इस बात को लेकर है कि झारखंड की 2 राज्यसभा सीटों में से 1 के लिए कांग्रेस ने एकतरफा तौर पर अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया. केरल विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की तीखी आलोचना करने से माकपा नाराज हो गई है. माकपा महासचिव एम.ए. बेबी ने इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को कड़ा विरोधपत्र लिखा और इस पत्र की प्रतियां सभी विपक्षी पार्टियों को भेज दीं. बेबी ने लिखा कि कांग्रेस ने केरल विधानसभा चुनाव में माकपा के खिलाफ सुनियोजित अभियान चलाया और यह आरोप भी लगाया कि माकपा और बीजेपी में चुनावी सौदेबाजी हो गई है. यह भी गलत प्रचार किया गया कि विजयन और मोदी ने आपस में सांठगांठ कर ली है. इसीलिए ईडी विजयन से पूछताछ या उनकी गिरफ्तारी नहीं कर रही है. राहुल गांधी, प्रियंका गांधी व खड़गे ऐसे आरोप लगाते रहे. बेबी ने कहा कि माकपा मोदी सरकार की अधिनायकवादी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संसद में इंडिया ब्लॉक का पूरी तरह जोरशोर से साथ देगी, लेकिन 8 जून की बैठक में शामिल नहीं होगी. झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झामुमो राज्यसभा की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहता था, लेकिन कांग्रेस ने एक सीट पर अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया. गठबंधन में आपसी विचार-विमर्श से फैसला होना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सबके मन में यही है सोच क्यों चर्चा में है कॉकरोच

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हम अपने घर से छिपकली, दीमक, खटमल, झींगुर, मच्छर, भुनगे, चींटियां और कॉकरोच को भगाने के लिए पेस्ट कंट्रोल वालों को बुला रहे हैं. आप चाहें तो अपने यहां भी इस तरह की सफाई करवा लीजिए.' हमने कहा, 'आप बाकी सबसे छुटकारा पा सकते हैं, लेकिन कॉकरोच से नहीं ! वह बड़ा हठीला होता है. वह दरवाजे-खिड़कियों की सेंध में, आलमारी में, डस्टबिन में, फर्नीचर के जॉइंट में, किसी अंधेरे कोने में कहीं भी छिप जाता है. ऐसे छिपने वाले कॉकरोच को बाहर बुलाने के लिए आप गीत गुनगुनाइए छुपनेवाले सामने आ, छुप-छुप के मेरा जी ना जला, सूरज से किरण, बादल से पवन कब तलक छुपेगी ये तो बता!'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, हम जानते हैं कि पृथ्वी पर डायनासोर के समय से कॉकरोच का अस्तित्व रहा है. आप घर कितना ही साफ रखें, खाने-पीने का सामान खुला न छोड़ें और जूठन न बिखरने दें, कॉकरोच बिना कुछ खाए-पिए कई हफ्तों तक जी सकता है. यह ऐसा जीव है कि सिर काटने पर जाता है तो चल नहीं सकता. तभी उसे चिमटी या कागज से पकड़कर कहीं दूर फेंक आइए. कॉकरोच को हिंदी में तिलचिट्टा और मराठी में झुरळ कहते हैं.'

हमने कहा, 'कॉकरोच एक टॉटेम या प्रतीक चिन्ह बन गया है. इन दिनों कॉकरोच जनता पार्टी की चर्चा है जो भ्रष्ट व अक्षम सिस्टम के खिलाफ युवा आक्रोश को दर्शाती है. इसके बैनर तले दिल्ली के जंतर-मंतर पर नौजवानों ने 5 घंटे प्रदर्शन किया. इस पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि पेपर लीक व परीक्षा प्रणाली में धांधली की वजह से 5 छात्रों ने जान दे दी. ऐसे में शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने 7 दिनों में इस्तीफा नहीं दिया तो फिर आंदोलन किया जाएगा.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, सीजेआई सूर्यकांत ने फर्जी डिग्री वाले वकीलों और बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच कह दिया था. उनकी इस टिप्पणी की रिएक्शन हुई और कॉकरोच जनता पार्टी (केजीपी) बन गई.' हमने कहा, 'चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बजाय सूर्यकुमार यादव की चर्चा कीजिए जिनसे टी-20 टीम की कप्तानी छीन ली गई. दूसरी ओर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के कारण टीम में शामिल कर लिया गया.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12283
- डॉ. सागर खादीवाला

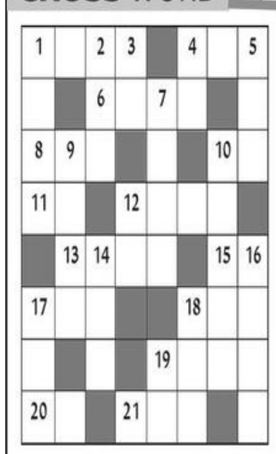

बाएं से दाएं
1. हरापन, हरियाली (सं.) 4. जीवित रहने की अवस्था, जीवित रहने का भाव 6. हल्का ज्वर, ताप, गर्मी 8. बंदर की मादा 10. हाथ, टैक्स 11. गन्ना 12. सेना अथवा सिपाहियों का अभ्यास करना 13. नींव का पत्थर रखा जाना 15. जूं का अंडा 17. सुख या आनंद देने वाला 18. घर, मकान, महल 19. भयंकर, जिसे देखने से डर लगे 20. मार डालने की क्रिया 21. बिहार की राजधानी, गड्ढे आदि का बराबर सतह हो जाना

ऊपर से नीचे
1. मिठाई बनाने या बेचने वाला 2. तीन परत की, दही जमाने का मिट्टी का छोटा पात्र 3. पीड़ित, ग्रस्त 4. विजय, फतह 5. दृष्टि, निगरानी 7. रानियों के रहने का महल, अंतपुर 9. सिर से पैर तक के सब अंग 10. वह स्थान जहां पर काफी संख्या में केले होते हों 12. कुंवारी लड़की, पुत्री 14. ढोने के लिए वस्तुओं को भरना, किसी पर बोझा रखना 16. खन-खन शब्द होना 17. मेल-मिलाप, संधि 18. डराना, डरना, भयभीत होना 19. योद्धा, सैनिक, सिपाही (सं.)

Solution 12282

न	र	मा	ई		सं	ग	म
भ	व		प्या		ग	ज	क
		क	लु	षि	त		बू
मृ	ग	या			रा	व	ल
गी		म	ति		श	शी	
	उ	त	र	ना		क	र्म
क	ड़ा		प	र	मा	र	
थ	का	व	ट		चा	ण	क्य

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सुखों की प्राप्ति होगी, मन में उत्साह बना रहेगा, मित्र के सहयोग से व्यापार में लाभ होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, व्यर्थ के वाद विवाद से बचें, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन सुखमय बना रहेगा, धार्मिक कार्यो मेंसंलग्नता रहेगी, राजनीति में असमंजस्यता रहेगी, व्यक्तिगत संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, शिक्षा में व्यवधान आयेगा, वर्ष के अन्त में दौड़धूप होगी, मित्र के व्यक्तिगत विवाद से दूर रहें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन में वाद विवाद होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी, मन में उत्साह बना रहेगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की व्यक्तिगत संबंधों में अत्याधिक दौड़धूप करने से मानसिक तनाव रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से व्यर्थ विवाद होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्रों का सहयोग रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक महत्वाकांक्षी, बुद्धिमान साहसी एवं उग्र स्वाभाव का होगा, शिक्षा दीक्षा अच्छी रहेगी, नौकरी में सफ्लता प्राप्त होगी, इसमें नेतृत्व करने की भावना अधिक रहेगी, अपने कार्यो के प्रति सजग, न्यायप्रिय होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

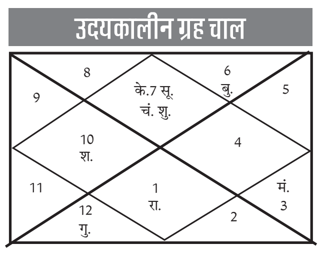

मेष- आकस्मिक लाभ का अवसर मिलेगा, भावुकता में लिये गये फैसले बदलने पड़ सकते हैं, आकस्मिक खर्च होगा,पारिवारिक सुख सुविधा प्राप्त होगी.

वृषभ- धार्मिक यात्रा हो सकती है, रूखे व्यवहार से परिचितों को नाराज कर सकते हैं, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा, कार्य में इच्छानुसार सफ्लता मिलेगी.

मिथुन- उच्च अध्ययन में बडी सफ्लता प्राप्त होगी, व्यापारिक साझेदारी लाभकारी रहेगी, नौकरी संबंधी प्रयासों में सफ्लता मिलेगी, राजकीय सहयोग मिलेगा.

कर्क- व्यापारिक यात्रा का योग है, रोकटोक के चलते कार्यस्थल पर विवाद संभव है, धार्मिक सत्संग से प्रसन्नता रहेगी, इच्छा के अनुकूल कार्य बनेंगे.

सिंह- लोग दबाव बनाने का प्रयास करेंगे, विवादास्पद मामले सुलझेंगे, मनोंवाछित कार्यो में सफ्लता मिलेगी, मांगलिक कार्य बनने से मन प्रसन्न रहेगा.

कन्या- कारोबारी विस्तार की योजना सफ्ल होगी,जिद में लिये फैसले जी का जंजाल बन सकते हैं, व्यवसायिक व्यस्तता रहेगी, अतिथि आगमन होगा.

तुला- भूमि भवन के क्रय-विक्रय से लाभ मिलेगा, ले-देकर काम कराने की योजना सफ्ल होगी, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, कार्य की अधिकता रहेगी.

वृश्चिक- वैचारिक गतिरोध दूर होंगे, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी, संतान के कारण आपको भावनात्मक पीड़ा हो सकती है, नवीन प्रयासों में सफ्लता मिलेगी.

धनु- समय के साथ तौर तरीकों में बदलाव कर लें, लाभ अच्छा मिलेगा, भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी, उच्चाधिकारियों की मदद मिलेगी.

मकर- धीमी गति से चल रही योजना में तेजी आयेगी,अधिकारियों से मेलजोल लाभदायक है, साहसिक प्रयत्नों से अभीष्ट कई प्राप्ति होगी.

कुम्भ- जो काम सोच के निकलें हैं, उसे पूरा करने में किसी का सहयोग मिलेगा, आकस्मिक खर्च होगा, नवीन मैत्री संबंधों में सतर्कता बांछनीय.

मीन- घरेलू मामले सुलझेंगे, बुजुर्गो के स्वारूथ्य पर खर्च होगा, कानूनी मामले सुलझेंगे, समय पर सोचे हुये कार्यो की पूर्ति होगी. निजी कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

पंचांग

रा.मि. 19 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण नवमीं भौमवासरे रात 8/54, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रातअंत 4/40, आयुष्मान योगे रात 2/29, तैतिल करणे सू.उ. 5/14, सू.अ. 6/46, चन्द्रचार मीन, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण नवमीं को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, सूत, के भाव में तेजी होगी, गेहॅू, जौ, चना, गुड, अरहर के भाव में मंदी होगी, वायदा विचार आज पिछले दिन के बने भाव में महत्वपूर्ण उठाव रहेगा. भाग्यांक 2028 है.

SUDOKU 7415

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7414

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2